

Hindi



मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्नंसी) के बारे में जानकारी

यह लीफलेट आपको और आपके परिवार और मित्रों को यह समझने में मदद करने के लिए है कि मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) क्या है, जिसे हाइडेडिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। यह गर्भावस्था की एक बहुत ही दुर्लभ जटिलता (रेयर प्रेग्रेंसी कॉम्प्लिकेशन) है।

यह स्वाभाविक है कि आप अपने बच्चे को खोने का शोक महसूस कर रही होंगी। हम इस लीफलेट में आपको समझाएंगे कि मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) क्या है, फॉलो-अप क्यों आवश्यक है और फॉलो-अप प्रक्रिया क्या है।

मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) क्या है और इसका क्या मतलब है?

मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) तब होती है जब निषेचित अंडे (फर्टिलाइज्ड एग) में कोई समस्या होती है, जिसका अर्थ है कि गर्भधारण (कनसेप्शन) के बाद शिशु और प्लेसेंटा उस तरह से विकसित नहीं हो पाते जैसा उन्हें होना चाहिए। मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) एक स्वस्थ शिशु के रूप में विकसित नहीं हो सकती है।

मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) का चिकित्सीय शब्द हाइडेडिडिफॉर्म मोल है, जिसका अर्थ है कोशिकाओं का एक तरल पदार्थ से भरा पिंड जिसमें तरल पदार्थ से भरी थैलियाँ या सिस्ट होते हैं। वे कोशिकाएँ जिन्हें प्लेसेंटा बनना चाहिए, बहुत तेज़ी से बढ़ती हैं और उस स्थान पर कब्जा कर लेती हैं जहाँ सामान्य रूप से भ्रूण (एम्ब्रियो) विकसित होता है। इन कोशिकाओं को ट्रोफोब्लास्ट कहा जाता है, इसीलिए आप कभी-कभी मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) को ट्रोफोब्लास्टिक रोग के रूप में सुन सकती हैं।



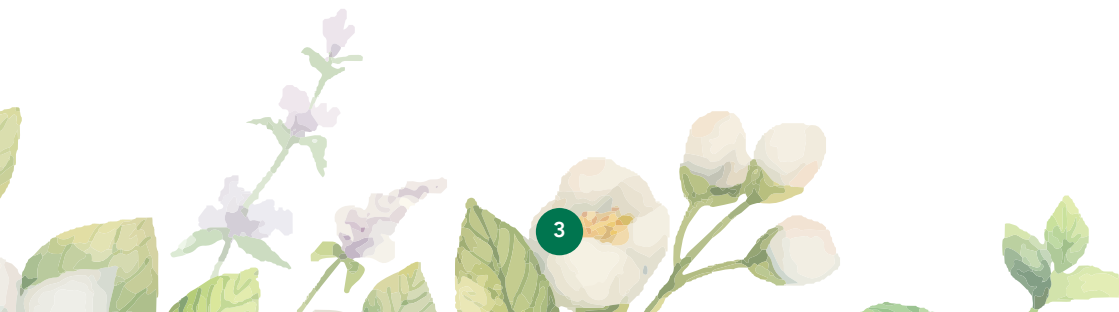
लगभग 600 गर्भावस्थाओं में से 1 मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) होती है। मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) के 2 प्रकार होते हैं:

- **आंशिक मोलर गर्भावस्था (पार्शियल मोलर प्रेग्रेंसी)**

In सामान्य गर्भधारण (नॉर्मल कनसेप्शन) में 23 क्रोमोसोम वाला एक शुक्राणु (स्पर्म) 23 क्रोमोसोम वाले एक अंडे को निषेचित (फर्टिलाइज) करता है। जब एक आंशिक मोल (पार्शियल मोल) बनता है, तो दो शुक्राणु (स्पर्म) अंडे को निषेचित (फर्टिलाइज) करते हैं, जिससे कुल मिलाकर 46 के बजाय 69 क्रोमोसोम हो जाते हैं, इसे ट्रिप्लॉइडी कहा जाता है। इससे बहुत अधिक आनुवंशिक सामग्री (जेनेटिक मटीरियल) बन जाती है जिसके परिणामस्वरूप गर्भावस्था असामान्य रूप से विकसित होती है और प्लेसेंटा शिशु से बड़ा हो जाता है और शिशु जीवित नहीं रह पाता है।

- **पूर्ण मोलर गर्भावस्था (कम्प्लीट मोलर प्रेग्रेंसी)**

पूर्ण मोल (कम्प्लीट मोल) में एक शुक्राणु (स्पर्म) एक ऐसी अंडा कोशिका (एग सेल) को निषेचित (फर्टिलाइज) करता है जिसके अंदर कोई आनुवंशिक सामग्री (जेनेटिक मटीरियल) नहीं होती है। माता-पिता से मिले क्रोमोसोम का संतुलन गलत होता है जिसके परिणामस्वरूप निषेचित अंडा (फर्टिलाइज्ड एग) इसी बिंदु पर मर जाता है। दुर्लभ मामलों में, अंडा गर्भाशय (यूटरस) में प्रत्यारोपित (इम्प्लांट) हो सकता है, कोई भ्रूण (एम्ब्रियो) नहीं बढ़ता है, केवल प्लेसेंटा बनने वाली कोशिकाएँ बढ़ती हैं जो गर्भाशय (यूटरस) को मोलर ऊतक (मोलर टिश्यू) से भर देती हैं।



मुझे फॉलो-अप की आवश्यकता क्यों है?

बहुत दुर्लभ मामलों में, मोल गर्भाशय (यूटरस) में अधिक गहराई तक घुस सकता है और इसके परिणामस्वरूप कोशिकाएँ घातक (कैंसरयुक्त / मैलिग्रेंट) हो सकती हैं और शरीर के अन्य भागों में फैल सकती हैं। इसे इनवेसिव मोल कहा जाता है और इसके लिए उपचार की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि सभी मोलर गर्भावस्थाओं (मोलर प्रेग्रेंसी) का फॉलो-अप किया जाता है और यही कारण है कि ये फॉलो-अप आमतौर पर ऑन्कोलॉजी वार्ड में होते हैं। यदि इसका जल्दी पता चल जाए तो ठीक होने की दर लगभग 100% है।

कोशिकाओं के किसी भी पिंड को ट्यूमर कहा जा सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह घातक (कैंसरयुक्त / मैलिग्रेंट) है; कई ट्यूमर सौम्य (हानिरहित / बिनाइन) होते हैं।

मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) के संकेत और लक्षण

कुछ महिलाओं में मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) के कोई ध्यान देने योग्य लक्षण नहीं होते हैं क्योंकि अधिकांश लक्षण गर्भावस्था हार्मोन (प्रेग्रेंसी हार्मोन) के बहुत उच्च स्तर के कारण होते हैं और वे गर्भावस्था या गर्भपात (मिसकैरेज) के सामान्य लक्षणों के समान होते हैं।

इनमें से कुछ संकेत और लक्षण इस प्रकार हैं:

- मासिक धर्म का न आना और प्रेग्रेंसी टेस्ट का सकारात्मक नतीजा आना।
- बहुत अधिक मॉर्निंग सिकनेस, हाँलांकि यह हमेशा सुबह में नहीं हो सकती है, आपको मतली (नॉशिया) महसूस हो सकती है और यह गंभीर हो सकती है।
- योनि से अनियमित रक्तस्राव और रक्त में छोटी तरल पदार्थ से भरी सिस्ट हो सकती हैं जो छोटे अंगूरों की तरह दिखती हैं।
- दर्द और रक्तस्राव।
- आपके डॉक्टर यह देख सकते हैं कि आपका गर्भाशय (यूटरस) आपकी तिथियों के लिए अपेक्षित से बड़ा है और आपको उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) या आपके मूत्र (यूरिन) में प्रोटीन है।

मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) का निदान कैसे किया जाता है?

हम आपके लक्षणों के आधार पर मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) का संदेह कर सकते हैं। आपको ये हो सकते हैं:

- आपके गर्भावस्था हार्मोन hCG के स्तर की जाँच के लिए रक्त परीक्षण (ब्लड टेस्ट), जो आमतौर पर मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) में सामान्य से अधिक होता है।
- एक अल्ट्रासाउंड स्कैन।

हाँलांकि, मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) का निश्चित रूप से निदान करने का एकमात्र तरीका गर्भपात (मिसकैरेज) के बाद गर्भावस्था के ऊतक (प्रेग्रेंसी टिशू) को प्रयोगशाला (लेबोरेटरी) में भेजना है।

इसमें कई दिन या सप्ताह लग सकते हैं। यदि हमें संदेह होता है कि आपकी गर्भावस्था मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) रही है, तो हम एक शल्य प्रक्रिया (सर्जिकल प्रोसीजर) की सलाह देंगे।

मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) के लिए उपचार

यदि हमें संदेह है कि आपकी गर्भावस्था मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्रेंसी) रही है, तो आपको अपने गर्भाशय (यूटरस) से गर्भावस्था के ऊतक (प्रेग्रेंसी टिशू) को हटाने के लिए एक प्रक्रिया की आवश्यकता हो सकती है। आमतौर पर, आपको एक सामान्य एनेस्थेटिक दिया जाएगा (जिसका अर्थ है कि आप सोई रहेंगी) और प्रक्रिया में असामान्य गर्भावस्था ऊतक (एबनॉर्मल प्रेग्रेंसी टिशू) को हटाने के लिए आपकी योनि और आपकी गर्भाशय ग्रीवा (सर्विक्स) (आपके गर्भ की ग्रीवा) के माध्यम से एक छोटी सक्शन ट्यूब डाली जाती है।

आप अभी भी उस शिशु के लिए दुख महसूस कर सकती हैं जो आपका हो सकता था, और हम इन भावनाओं में आपका समर्थन करेंगे।



आगे क्या होगा?

यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने फॉलो-अप के दौरान नई गर्भावस्था शुरू न करें। काइल के अलावा, हार्मोनल गर्भनिरोधक (हार्मोनल कॉन्ट्रासेप्शन) के सभी रूप इस दौरान उपयोग करने के लिए सुरक्षित हैं और हम आपको गर्भनिरोधक (कॉन्ट्रासेप्टिक्स) दे सकते हैं।

हर दो सप्ताह में आपके रक्त परीक्षण होंगे जब तक कि आपके गर्भावस्था हार्मोन (प्रेग्नेसी हार्मोन) का स्तर सामान्य (5 से कम) न हो जाए। 4 सप्ताह बाद आपका मूत्र परीक्षण (यूरिन टेस्ट) भी होगा ताकि यह जांचा जा सके कि मूत्र का स्तर 25 से कम है।

यदि आपका स्तर सामान्य नहीं होता है या लगातार 3 नमूनों (सैंपल) तक समान रहता है या फिर से बढ़ने लगता है, तो आपके डॉक्टर उपचार की सिफारिश करेंगे।

लगभग दस में से एक महिला को किसी भी शेष मोलर कोशिकाओं (मोलर सेल्स) को खत्म करने के लिए कीमोथेरेपी की आवश्यकता होगी, लेकिन यह उपचार बहुत प्रभावी है और आमतौर पर भविष्य में आपके बच्चे होने की संभावनाओं को प्रभावित नहीं करता है।

हाइडेटिडिफॉर्म मोल सेवा मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्नेसी) वाली महिलाओं के लिए निदान और फॉलो-अप सहायता प्रदान करती है। यह सेवा NHS टेसाइड (Tayside) द्वारा होस्ट की जाती है और नाइनवेल्स हॉस्पिटल डंडी (Ninewells Hospital Dundee) में आनुवंशिकी विभाग (डिपार्टमेंट ऑफ़ जेनेटिक्स) के भीतर स्थित है। गर्भावस्था के उत्तक (प्रेग्नेसी टिशू) को नाइनवेल्स अस्पताल (Ninewells Hospital) भेजा जाएगा लेकिन इसकी संभावना कम है कि आपको वहां जाना पड़ेगा। परीक्षण आपके स्थानीय अस्पताल द्वारा किए जा सकते हैं या आपके GP परीक्षणों की व्यवस्था कर सकते हैं और आपको परिणाम दे सकते हैं।

अतिरिक्त जानकारी

यदि आपके कोई प्रश्न हैं, तो कृपया अपने डॉक्टर या नर्स से पूछें।

आप मिसकैरेज एसोसिएशन (Miscarriage Association) की वेबसाइट www.miscarriageassociation.org.uk पर ऑनलाइन फोरम में मोलर गर्भावस्था (मोलर प्रेग्नंसी) का अनुभव करने वाले अन्य लोगों से अधिक जानकारी और व्यक्तिगत कहानियाँ पा सकती हैं।

🌐 www.miscarriageassociation.org.uk

हो सकता है कि आपके परिवार और मित्र यह न समझें कि आप किस दौर से गुज़र रही हैं, जिससे आप अकेला और अलग-थलग महसूस करें; नाइनवेल्ल्स अस्पताल, डंडी (Ninewells Hospital, Dundee) का सहायता केंद्र आपका समर्थन करने और यदि आवश्यक हो तो परामर्श (काउंसलिंग) प्रदान करने में सक्षम होगा। आप उन्हें ☎ **01382 632748** पर कॉल कर सकती हैं।

